# IUJ in Press

राष्ट्रीय सागर

ब्रीफ न्यूज

## इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से की मुलाकात

**रांची :** आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने गुरुवार को राजभवन में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया। राज्यपाल ने शैक्षणिक क्षेत्र में विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। प्रो. राव ने राज्यपाल को बीबीए (एनालिटिक्स), बीसीए (साइबर सुरक्षा) और बीटेक जैसे कार्यक्रम, इलेक्ट्रिकल वाहनों और खनन मशीनरी पर केंद्रित पाठ्यक्रमों से भी अवगत कराया। राज्यपाल ने पड़ोसी गांवों की मदद करने के लिए सामाजिक आउटरीच के संबंध में इक्फाई विश्वविद्यालय के पहल की भी सराहना की।

---

प्रातः आवाज | राजधानी | रांची शनिवार, 04 मार्च 2023 | 03

## इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने राज्यपाल से की मुलाकात

**रांची :** आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने राजभवन में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया। राज्यपाल ने शैक्षणिक क्षेत्र में विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की

---

बिहान भारत | राजधानी | रांची, शनिवार 04 मार्च 2023 | 03

संक्षिप्त समाचार

## इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति ने राज्यपाल से मुलाकात की

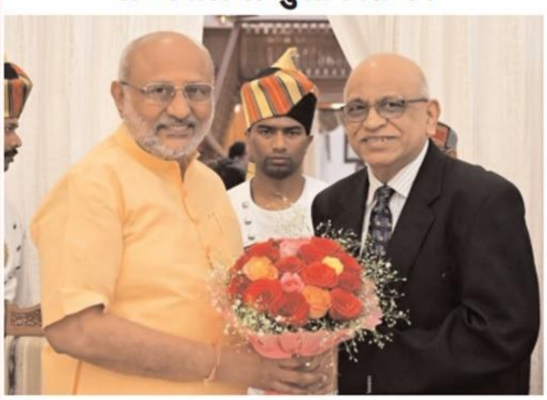

**रांची :** इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति ने झारखंड के महामहिम राज्यपाल से मुलाकात की प्रोफेसर ओआरएस राव, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति ने आज राजभवन में झारखंड के

---

৩ রাঁচি, শনিবার, ০৪ মার্চ, ২০২৩

www.sokalsokal.com/epaper

## রাজ্যপালের সাথে সাক্ষাৎ ওআরএস রাও-এর

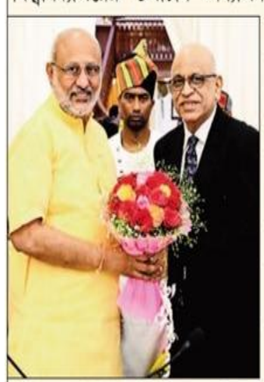

**বিশেষ সংবাদদাতা, রাঁচি :** ঝাড়খণ্ডের আইসিএফএআই বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাচার্য অধ্যাপক ওআরএস রাও বৃহস্পতিবার রাজভবনে ঝাড়খণ্ডের রাজ্যপাল সিপি রাধাকৃষ্ণনের সঙ্গে দেখা করেন এবং তাঁকে বিশ্ববিদ্যালয়ের কার্যক্রম সম্পর্কে অবহিত করেন। গভর্নর একাডেমিক ক্ষেত্রে উন্নয়ন এবং কর্মসংস্থানমুখী শিক্ষা প্রদানের জন্য বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রচেষ্টার প্রশংসা করেন। প্রো. রাও রাজ্যপালকে বিবিএ (অ্যানালিটিক্স), বিসিএ (সাইবার সিকিউরিটি) এবং বিটেক, বৈদ্যুতিক যানবাহন এবং খনির যন্ত্রপাতির উপর দৃষ্টি নিবদ্ধ কোর্সের মতো প্রোগ্রাম সম্পর্কে অবহিত করেছিলেন। গভর্নর আশেপাশের গ্রামগুলিকে সাহায্য করার জন্য সামাজিক প্রচারের বিষয়ে আইসিএফএআই বিশ্ববিদ্যালয়ের উদ্যোগেরও প্রশংসা করেন।

# اکفائی یونیورسٹی کے وائس چانسلر نے گورنر سی پی رادھا کرشنن سے ملاقات کی

**عوامی نیوز، نمائندہ**

رانچی: اکفائی یونیورسٹی جھارکھنڈ کے وائس چانسلر پروفیسر او آر ایس راؤ نے راج بھون میں جھارکھنڈ کے گورنر سی پی رادھا کرشنن سے ملاقات کی اور انہیں یونیورسٹی کی سرگرمیوں کے بارے میں جانکاری دی۔ گورنر نے یونیورسٹی کی تعلیمی میدان میں ترقی اور روزگار پر مبنی تعلیم فراہم کرنے کی کوششوں کو سراہا۔ پروفیسر راؤ نے گورنر کو بی بی اے (اینالیٹکس)، بی سی اے (سائبر سیکیورٹی) اور بی ٹیک جیسے پروگراموں، الیکٹریکل گاڑیوں اور کان کنی کی مشینری پر مرکوز کورسز کے بارے میں بھی آگاہ کیا۔ گورنر نے پڑوسی گاؤں کی مدد کرنے کیلئے سوشل آؤٹ ریچ کے متعلق میں اکفائی یونیورسٹی کے پہل کی بھی تعریف کی۔

---

**राष्ट्रीय नवीन मेल**

# इक्फाई विवि के कुलपति ने राज्यपाल से मुलाकात की

**नवीन मेल संवाददाता। रांची** प्रोफेसर ओआरएस राव, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति ने शुक्रवार को राजभवन में झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया। राज्यपाल ने बीबीए (एनालिटिक्स), बीसीए (साइबर सुरक्षा) और इलेक्ट्रिकल वाहनों और खनन मशीनरी पर बीटेक फोकस जैसे रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों को पेश करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पड़ोसी गांवों की मदद करने के लिए सामाजिक पहुंच के संबंध में विश्वविद्यालय की पहल की भी सराहना की।

---

रांची, मंगलवार 07.03.2023 **खबर मन्त्र**

# इक्फाई विश्वविद्यालय के सत्र 2023 के नामांकन को प्रॉस्पेक्टस जारी

**रांची।** इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में सोमवार को वर्ष 2023 में प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया है। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नये कार्यक्रम बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) और बीसीए (साइबर सुरक्षा) शुरू किये जायेंगे। इसके अलावा, बीटेक (मैकेनिकल) प्रोग्राम करने वाले छात्र दो करियर उन्मुख विशेषज्ञता, इलेक्ट्रिकल वाहन या खनन मशीनरी में से किसी एक को चुन सकते हैं।

---

प्रातः आवाज **राजधानी** रांची मंगलवार, 07 मार्च 2023 03

# इक्फाई विश्वविद्यालय के सत्र 2023 के नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी

प्रातः आवाज

**रांची :** इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में 2023 प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने समारोह में भाग लिया।

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए, हमने वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया ताकि नई नौकरी- उन्मुख कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और हमारे मौजूदा कार्यक्रम समृद्ध हुए हैं। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नए कार्यक्रम बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) और बीसीए (साइबर सुरक्षा) शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## इक्फाई विश्वविद्यालय के सत्र 2023 के नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में 2023 प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने समारोह में भाग लिया। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए, हमने वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया ताकि नई नौकरी- उन्मुख कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और हमारे मौजूदा कार्यक्रम समृद्ध हुए हैं। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नए कार्यक्रम बीबीए और बीसीए शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा बीटेक प्रोग्राम करने वाले छात्र दो करियर उन्मुख विशेषज्ञता - इलेक्ट्रिकल वाहन या खनन मशीनरी में से किसी एक को चुन सकते हैं।

बीसीए की शुरुआत के औचित्य की व्याख्या करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि जैसा कि हम हर दिन डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताते हैं, जोखिम कई गुना बढ़ रहे हैं, जिससे हानि और व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग, ग्राहक सेवाओं में गड़बड़ी, वित्तीय नुकसान, प्रतिष्ठा हानि आदि जैसे नुकसान हो रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में साइबर घटनाओं में 25 गुना वृद्धि हुई, 2017 में 47,000 से 2022 में 12 लाख। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक, भारत को 15 लाख साइबर पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो कि आज की संख्या से कम से कम 12 गुना है। प्रोफेसर राव ने कहा इलेक्ट्रिकल वाहनों का उत्पादन 2021 से 2022 तक 3 गुना बढ़ गया। भारत सरकार 2030 तक 80 प्रतिशत 2-3 पहिया वाहनों, 70 प्रतिशत वाणिज्यिक वाहनों और 30 प्रतिशत यात्री कारों को इलेक्ट्रिक होने का लक्ष्य बना रही है, जिससे बहुत बड़ी शुरुआत हो रही है।

प्रोफेसर राव ने कहा कि जैसा कि हम एनईपी-2020 को लागू करते हैं, हम अपने सभी कार्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। झारखंड के इक्फाई समूह सूचना विभाग के प्रबंधक सतीश कुमार पांडेय ने बताया कि कैसे विश्वविद्यालय छात्रों और अभिभावकों को कार्यक्रम का विवरण बताया ताकि वे मूल्यांकन कर सकें और सही निर्णय ले सकें। आईजीआईडी के प्रबंधक रंजीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय और संपूर्ण इक्फाई समूह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के कारण पूरे भारत में उच्च शिक्षा में एक घरेलू नाम बन गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए विश्वविद्यालय के उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर जोर दिया ताकि छात्रों को बहुत जरूरी हैंड्स-ऑन कौशल प्रदान किया जा सके।

## इक्फाई विश्वविद्यालय के सत्र 2023 के नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में 2023 प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने समारोह में भाग लिया। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए, हमने वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया ताकि नई नौकरी- उन्मुख कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और हमारे मौजूदा कार्यक्रम समृद्ध हुए हैं। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नए कार्यक्रम बीबीए और बीसीए शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा बीटेक प्रोग्राम करने वाले छात्र दो करियर उन्मुख विशेषज्ञता - इलेक्ट्रिकल वाहन या खनन मशीनरी में से किसी एक को चुन सकते हैं।

बीसीए की शुरुआत के औचित्य की व्याख्या करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि जैसा कि हम हर दिन डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताते हैं, जोखिम कई गुना बढ़ रहे हैं, जिससे हानि और व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग, ग्राहक सेवाओं में गड़बड़ी, वित्तीय नुकसान, प्रतिष्ठा हानि आदि जैसे नुकसान हो रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में साइबर घटनाओं में 25 गुना वृद्धि हुई, 2017 में 47,000 से 2022 में 12 लाख। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक, भारत को 15 लाख साइबर पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो कि आज की संख्या से कम से कम 12 गुना है। प्रोफेसर राव ने कहा इलेक्ट्रिकल वाहनों का उत्पादन 2021 से 2022 तक 3 गुना बढ़ गया। भारत सरकार 2030 तक 80 प्रतिशत 2-3 पहिया वाहनों, 70 प्रतिशत वाणिज्यिक वाहनों और 30 प्रतिशत यात्री कारों को इलेक्ट्रिक होने का लक्ष्य बना रही है, जिससे बहुत बड़ी शुरुआत हो रही है।

प्रोफेसर राव ने कहा कि जैसा कि हम एनईपी-2020 को लागू करते हैं, हम अपने सभी कार्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। झारखंड के इक्फाई समूह सूचना विभाग के प्रबंधक सतीश कुमार पांडेय ने बताया कि कैसे विश्वविद्यालय छात्रों और अभिभावकों को कार्यक्रम का विवरण बताया ताकि वे मूल्यांकन कर सकें और सही निर्णय ले सकें। आईजीआईडी के प्रबंधक रंजीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय और संपूर्ण इक्फाई समूह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के कारण पूरे भारत में उच्च शिक्षा में एक घरेलू नाम बन गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए विश्वविद्यालय के उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर जोर दिया ताकि छात्रों को बहुत जरूरी हैंड्स-ऑन कौशल प्रदान किया जा सके।

दैनिक भास्कर

रांची 07-03-2023

## इक्फाई विवि : नए सत्र में एडमिशन के लिए प्रोस्पेक्टस लांच

रांची | इक्फाई विवि में नए सेशन यानी वर्ष 2023 में एडमिशन के लिए रविवार को वीसी प्रो. ओआरएस राव ने प्रोस्पेक्टस लांच किया। इस साल दो नए कोर्स शुरू किए जाएंगे, जिनमें बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) और बीसीए (साइबर सुरक्षा) शामिल हैं। वीसी ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 लागू करने की तैयारी चल रही है। कुलसचिव प्रो. अरविंद कुमार ने धन्यवाद दिया।



## इक्फाई विश्वविद्यालय के सत्र 2023 के नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी

प्रातः आवाज

**रांची :** इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में 2023 प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने समारोह में भाग लिया।

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए, हमने वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया ताकि नई नौकरी- उन्मुख कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और हमारे मौजूदा कार्यक्रम समृद्ध हुए हैं। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नए कार्यक्रम बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) और बीसीए (साइबर सुरक्षा) शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



**नामांकन** इक्फाई विवि में नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस हुआ जारी

## छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की जरूरत

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में एक समारोह में 2023 प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने समारोह में भाग लिया। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, हमारे स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को देखते हुए, हमने वर्तमान वर्ष के दौरान भी उद्योग और प्रौद्योगिकी के रुझानों का विश्लेषण किया ताकि नई नौकरी-उन्मुख कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और हमारे मौजूदा कार्यक्रम समृद्ध हुए हैं। इस विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 2023 में दो नए कार्यक्रम बीबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) और बीसीए (साइबर सुरक्षा) शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा बीटेक (मैकेनिकल) प्रोग्राम करने वाले छात्र दो करियर उन्मुख विशेषज्ञता इलेक्ट्रिकल वाहन या खनन मशीनरी में से किसी एक को चुन सकते हैं। बीसीए (साइबर सुरक्षा) की शुरुआत के औचित्य की व्याख्या करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा, जैसा कि हम हर दिन डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताते हैं, जोखिम कई गुना बढ़ रहे हैं, जिससे हानि और व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग, ग्राहक सेवाओं में गड़बड़ी, वित्तीय नुकसान, प्रतिष्ठा हानि आदि जैसे नुकसान हो रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में साइबर घटनाओं में 25 गुना वृद्धि हुई, 2017 में 47,000 से 2022 में 12 लाख। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक, भारत को 15 लाख साइबर पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो कि आज की संख्या से कम से कम 12 गुना है। प्रोफेसर राव ने कहा इलेक्ट्रिकल वाहनों का उत्पादन 2021 से 2022 तक 3 गुना बढ़ गया। भारत सरकार 2030 तक 80% 2-3 पहिया वाहनों, 70% वाणिज्यिक वाहनों और 30% यात्री कारों को इलेक्ट्रिक होने का लक्ष्य बना रही है, जिससे बहुत बड़ी शुरुआत हो रही है। इसी तरह, खनन क्षेत्र को निजी खिलाड़ियों के लिए खोलने की सरकारी नीतिगत पहल से खनन उद्योग में अधिक स्वचालन और मशीनीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे खनन मशीनरी क्षेत्र में कई करियर बनेंगे। प्रोफेसर राव ने कहा, "जैसा कि हम एनईपी-2020 को लागू करते हैं, हम अपने सभी कार्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। झारखण्ड के इक्फाई समूह सूचना विभाग (आईजीआईडी) के प्रबंधक श्री सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि कैसे विश्वविद्यालय छात्रों और अभिभावकों को कार्यक्रम का विवरण बताया ताकि वे मूल्यांकन कर सकें और सही निर्णय ले सकें। आईजीआईडी के प्रबंधक श्री रंजीत सिंह ने कहा, "विश्वविद्यालय और संपूर्ण इक्फाई समूह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के कारण पूरे भारत में उच्च शिक्षा में एक घरेलू नाम बन गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए विश्वविद्यालय के उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर जोर दिया ताकि छात्रों को बहुत जरूरी हैंड्स-ऑन कौशल प्रदान किया जा सके, जो स्नातक छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट को सक्षम बनाता है।

राष्ट्रीय सागर — रांची शहर

# बेहतर प्रबंधन में सहायक है डिजिटल परिवर्तन : प्रो. ओआरएस राव

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में मिश्रित मोड में सतत व्यापार प्रदर्शन के लिए डिजिटल परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के सम्मानित अतिथि कुमार परिमल, अनुबंध और वाणिज्यिक प्रबंधक, यूनिलीवर इंडिया लिमिटेड थे, जबकि सिद्धार्थ कांकरिया, निदेशक, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स और कुमार गौरव औद्योगिक साइबर सुरक्षा सलाहकार, एसईपीसीओआईआई इंटरनेशनल कंसल्टेंसी, दुबई समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। सम्मेलन के दौरान स्मारिका का विमोचन किया गया। शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, कामकाजी पेशेवरों, छात्रों और नीति निर्माताओं के 54 से अधिक शोध पत्र दुनिया भर के प्रतिष्ठित संगठनों में शामिल हैं, जिनमें डॉक्टरल कॉलेज, यूके, संघीय विश्वविद्यालय, नाइजीरिया: बेलारूसी राज्य विश्वविद्यालय और बीआईटी, मेसरा, आईआईएम, रांची, आईआईएम, रायपुर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड, केके मोदी विश्वविद्यालय, सरला बिड़ला विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय, झारखंड शामिल थे। पैनल चर्चा में प्रस्तुत किए गए विशेषज्ञों में डॉ. फ्राइडे ओग्बू एडेह और डॉ. चिमेजीम सी. गैब्रिएला उडेजु, फेडरल यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया, बेलारूसी राज्य विश्वविद्यालय से डॉ.अलेह पेरजाशकेविच, डॉ.गुरविंदर सिंह, वरिष्ठ निदेशक, कैपजेमिनी, प्रदीप हजारी, विशेष सचिव सह सलाहकार, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, डॉ. एमवीके शर्मा, उपाध्यक्ष, टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड से शामिल थे। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा डिजिटल परिवर्तन अब कल्पना नहीं है क्योंकि अब इसे कई संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है जिन्होंने बेहतर परिचालन दक्षता और बेहतर लाभ के मामले में लाभ प्राप्त किया है। ग्राहक अनुभव, जो व्यवसाय के विकास और लाभप्रदता को चला रहे हैं। प्रोफेसर राव ने कहा कि प्रौद्योगिकी के अलावा यह लोगों के बेहतर प्रबंधन की मांग करता है, क्योंकि इसे व्यापार के तरीके में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। यह सम्मेलन विविध क्षेत्रों और कार्यों में डिजिटल परिवर्तन पर विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा। विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कुमार परिमल ने कहा नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल लाना, ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए पुनर्कल्पित व्यावसायिक प्रक्रियाओं और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बेहतर परिचालन क्षमता को चलाना समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञ सत्र में संघीय विश्वविद्यालय नाइजीरिया के डॉ.फ्राइडे ने डिजिटल टेक्नोलॉजीज के दस मार्गदर्शक सिद्धांतों पर प्रकाश डाला है। डॉ.गैब्रिएला ने डिजिटल तकनीकों के उद्भव के कारण मानव संसाधन गतिविधियों के पुनरोद्धार पर ध्यान केंद्रित किया है। शिक्षा के डिजिटल रूपांतरण पर अपना अनुभव बताते हुए बेलारूस के डॉ. अलेह, जिन्होंने वैदिक संस्कृति के इतिहास पर पीएचडी की है, कहा, डिजिटल तकनीकें मुझे हमारे छात्रों को प्रभावी ढंग से वैदिक संस्कृति और इतिहास पढ़ाने में सक्षम बनाती हैं। शासन में डिजिटल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए प्रदीप हजारी ने कहा कि झारखंड राज्य में कृषि जिंसों की खरीद के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है। कैपजेमिनी इंडिया के वरिष्ठ निदेशक डॉ.गुरविंदर सिंह ने आईटी और एंटी-वायरस क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की संक्षिप्त जानकारी दी है।

---

पूर्वांचल सूर्य — रांची, शनिवार, 18 मार्च 2023 — झारखंड — 5

# इक्फाई विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

- विश्वविद्यालय के स्मारिका का हुआ लोकार्पण
- बेहतर प्रबंधन में सहायक है डिजिटल परिवर्तन : प्रो.ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

[illegible]

---

प्रातः आवाज — राजधानी

# इक्फाई विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में मिश्रित मोड में 'सतत व्यापार प्रदर्शन के लिए डिजिटल परिवर्तन' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के सम्मानित अतिथि कुमार परिमल, अनुबंध और वाणिज्यिक प्रबंधक, यूनिलीवर इंडिया लिमिटेड थे, जबकि सिद्धार्थ कांकरिया, निदेशक, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स और कुमार गौरव औद्योगिक साइबर सुरक्षा सलाहकार, एसईपीसीओआईआई इंटरनेशनल कंसल्टेंसी, दुबई समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। सम्मेलन के दौरान स्मारिका का विमोचन किया गया। शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, कामकाजी पेशेवरों, छात्रों और नीति निर्माताओं के 54 से अधिक शोध पत्र दुनिया भर के प्रतिष्ठित संगठनों में शामिल हैं, जिनमें डॉक्टरल कॉलेज, यूके; संघीय विश्वविद्यालय, नाइजीरिया: बेलारूसी राज्य विश्वविद्यालय और बीआईटी, मेसरा, आईआईएम, रांची; आईआईएम, रायपुर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड, केके मोदी विश्वविद्यालय, सरला बिड़ला विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय, झारखंड आदि से शामिल थे। पैनल चर्चा में प्रस्तुत किए गए विशेषज्ञों में डॉ. फ्राइडे ओगबू एडेह और डॉ. चिमेजीम सी. गैब्रिएला उडेजु, फेडरल यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया, बेलारूसी राज्य विश्वविद्यालय से डॉ. अलेह पेरजाशकेविच, डॉ. गुरविंदर सिंह, वरिष्ठ निदेशक, कैपजेमिनी, श्री प्रदीप हजारी, विशेष सचिव सह सलाहकार, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, डॉ. एमवीके शर्मा, उपाध्यक्ष, टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड से शामिल थे। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, डिजिटल परिवर्तन अब कल्पना नहीं है क्योंकि अब इसे कई संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है जिन्होंने बेहतर परिचालन दक्षता और बेहतर लाभ के मामले में लाभ प्राप्त किया है। ग्राहक अनुभव, जो व्यवसाय के विकास और लाभप्रदता को चला रहे हैं। यह सम्मेलन विविध क्षेत्रों और कार्यों में डिजिटल परिवर्तन पर विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा।

---

दैनिक भास्कर — रांची 18-03-2023

# इक्फाई विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में मिश्रित मोड में सतत व्यापार प्रदर्शन के लिए डिजिटल परिवर्तन पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनुबंध और वाणिज्यिक प्रबंधक यूनिलीवर इंडिया लिमिटेड कुमार परिमल, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स के निदेशक सिद्धार्थ कांकरिया, औद्योगिक साइबर सुरक्षा सलाहकार एसईपीसीओआईआई इंटरनेशनल कंसल्टेंसी दुबई कुमार गौरव आदि उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन अब कल्पना नहीं है क्योंकि अब इसे कई संगठनों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। जिन्होंने बेहतर परिचालन दक्षता और बेहतर लाभ के मामले में लाभ प्राप्त किया है। सम्मेलन का आयोजन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा किया गया।

---

हिन्दुस्तान — रांची, गुरुवार, 30 मार्च 2023 — 06

# एमबीए के 85 प्रतिशत से अधिक छात्रों का प्लेसमेंट

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में मिश्रित मोड में अभिभावकों और शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। इसमें कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान विवि की ओर से नियमानुसार कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित की गईं।

बताया कि अबतक, 85% से अधिक एमबीए और 50% बीसीए छात्रों को प्लेसमेंट मिल चुका है। रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि विवि की ओर से अभिभावकों का ऑनलाइन संतुष्टि सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें 84% से अधिक अभिभावकों ने संतोष व्यक्त किया।

---

04 — खबर मन्त्र — रांची, गुरुवार 30.03.2023 — रांची सिटी

# विवि के शैक्षणिक कैलेंडर व परिणाम समय पर घोषित हुए : वीसी

## इक्फाई विश्वविद्यालय में ब्लेंडेड मोड में माता-पिता और शिक्षकों की बैठक आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में बुधवार को मिश्रित (ब्लेंडेड) मोड में माता-पिता और शिक्षकों की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और उनके माता-पिता ने झारखंड और बिहार के विभिन्न स्थानों से भाग लिया। कोविड-19 महामारी के बाद पहली आमने-सामने की बैठक में माता-पिता और छात्रों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कड़ाई से नियमों के अनुसार कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित की गईं। शैक्षणिक कैलेंडर और परिणाम समय पर घोषित किए गए। अंतिम मध्य सेमेस्टर परीक्षा में औसत प्रदर्शन के साथ छात्रों के [illegible]

विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का उल्लेख करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि अब तक, 85% से अधिक एमबीए छात्रों और 50% बीसीए छात्रों को विप्रो, टीसीएस, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजीज, क्रिप्टो टेक, थॉमस कुक, रिलायंस रिटेल, मैक्स फैशन, बजाज फाइनेंस, फुलर्टन फाइनेंस, अग्रवाल [illegible]

में प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं। अगले एक महीने में कैंपस प्लेसमेंट के लिए और कंपनियों के आने की उम्मीद के साथ, हमें विश्वास है कि हम 100% कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर लेंगे। प्रो राव ने कहा कि छात्रों को कैरियर परामर्श प्रदान किया जाता है और हमारे संकाय सदस्यों द्वारा लिखित परीक्षा, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार आदि में [illegible]

उद्योग- तैयार हो सकें। छात्रों के कैरियर विकास को विश्वविद्यालय और अभिभावकों का संयुक्त प्रयास बताते हुए उन्होंने अभिभावकों से सहयोग का अनुरोध किया।

**दिये गये मान्यता पुरस्कार :** पिछले सेमेस्टर के टॉपर्स के साथ-साथ वाद-विवाद और पाठ्येतर गतिविधियों जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को [illegible]

साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान करने के पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार, जनवरी 2023 में अपने पिता को खोने वाले बीबीए-एलएलबी (ऑनर्स) के छात्र श्री प्रकाश रंजन को विश्वविद्यालय में उनकी शेष पढ़ाई के लिए 100% शुल्क माफी दी गई थी। कई अभिभावकों ने शिक्षण की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता और छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। एमबीए की छात्रा सुश्री नेहा प्रिया की मां सचिता देवी ने अपनी बेटी को प्रति वर्ष 6 लाख रुपये के वेतन के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों से 3 प्लेसमेंट ऑफर मिलने पर खुशी व्यक्त की। विवि के सहायक डीन डॉ भगवत बारिक ने धन्यवाद, कार्यक्रम का संचालन डॉ [illegible]

# विवि के शैक्षणिक कैलेंडर व परिणाम समय पर घोषित हुए : वीसी

## इक्फाई विश्वविद्यालय में ब्लेंडेड मोड में माता-पिता और शिक्षकों की बैठक आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में बुधवार को मिश्रित (ब्लेंडेड) मोड में माता-पिता और शिक्षकों की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और उनके माता-पिता ने झारखंड और बिहार के विभिन्न स्थानों से भाग लिया। कोविड-19 महामारी के बाद पहली आमने-सामने की बैठक में माता-पिता और छात्रों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कड़ाई से नियमों के अनुसार कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित की गईं। शैक्षणिक कैलेंडर और परिणाम समय पर घोषित किए गए। अंतिम मध्य सेमेस्टर परीक्षा में औसत प्रदर्शन के साथ छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का उल्लेख करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि अब तक, 85% से अधिक एमबीए छात्रों और 50% बीसीए छात्रों को विप्रो, टीसीएस, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजीज, क्रिप्टो टेक, थॉमस कुक, रिलायंस रिटेल, मैक्स फैशन, बजाज फाइनेंस, फुलर्टन फाइनेंस, अग्रवाल पैकर्स आदि। जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं। अगले एक महीने में कैंपस प्लेसमेंट के लिए और कंपनियों के आने की उम्मीद के साथ, हमें विश्वास है कि हम 100% कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर लेंगे। प्रो राव ने कहा कि छात्रों को कैरियर परामर्श प्रदान किया जाता है और हमारे संकाय सदस्यों द्वारा लिखित परीक्षा, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार आदि में प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि वे उद्योग- तैयार हो सके। छात्रों के कैरियर विकास को विश्वविद्यालय और अभिभावकों का संयुक्त प्रयास बताते हुए उन्होंने अभिभावकों से सहयोग का अनुरोध किया।

**दिये गये मान्यता पुरस्कार :** पिछले सेमेस्टर के टॉपर्स के साथ-साथ वाद-विवाद और पाठ्येतर गतिविधियों जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यता पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान करने के पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार, जनवरी 2023 में अपने पिता को खोने वाले बीबीए-एलएलबी (ऑनर्स) के छात्र श्री प्रकाश रंजन को विश्वविद्यालय में उनकी शेष पढ़ाई के लिए 100% शुल्क माफी दी गई थी। कई अभिभावकों ने शिक्षण की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता और छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। एमबीए की छात्रा सुश्री नेहा प्रिया की मां सचिता देवी ने अपनी बेटी को प्रति वर्ष 6 लाख रुपये के वेतन के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों से 3 प्लेसमेंट ऑफर मिलने पर खुशी व्यक्त की। विवि के सहायक डीन डॉ भगवत बारिक ने धन्यवाद, कार्यक्रम का संचालन डॉ श्वेता सिंह ने किया।

---



### इक्फाई विवि में पेरेंट्स-टीचर्स मीट का आयोजन

# विभिन्न स्थानों से अभिभावकों ने भाग लिया

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**

कोविद-19 महामारी के बाद पहली आमने-सामने की बैठक में माता-पिता और छात्रों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कड़ाई से नियमों के अनुसार कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित की गईं। शैक्षणिक कैलेंडर और परिणाम समय पर घोषित किए गए। अंतिम मध्य सेमेस्टर परीक्षा में औसत प्रदर्शन के साथ छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का उल्लेख करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि अब तक, 85% से अधिक एमबीए छात्रों और 50% बीसीए छात्रों को विप्रो, टीसीएस, कॉम्निजेंट टेक्नोलॉजीज, क्रिप्टो टेक, थॉमस कुक, रिलायंस रिटेल, मैक्स फैशन, बजाज फाइनेंस, फुलर्टन फाइनेंस, अग्रवाल पैकर्स आदि। जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं। अगले एक महीने में कैंपस प्लेसमेंट के लिए और कंपनियों के आने की उम्मीद के साथ, हमें विश्वास है कि हम 100% कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर लेंगे। प्रोफेसर राव ने कहा कि 'छात्रों को कैरियर परामर्श प्रदान किया जाता है और हमारे संकाय सदस्यों द्वारा लिखित परीक्षा, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार आदि में प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे उद्योग- तैयार हो सकें, छात्रों के कैरियर विकास को विश्वविद्यालय और अभिभावकों का संयुक्त प्रयास बताते हुए उन्होंने अभिभावकों से सहयोग का अनुरोध किया।

---



# इक्फाई विश्वविद्यालय में मिश्रित मोड पर पेरेंट्स-टीचर्स मीट आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

**रांची :** इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में मिश्रित मोड में माता-पिता और शिक्षकों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और उनके माता-पिता ने झारखंड और बिहार के विभिन्न स्थानों से भाग लिया। कोविड-19 महामारी के बाद पहली आमने-सामने की बैठक में माता-पिता और छात्रों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, "2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा कड़ाई से नियमों के अनुसार कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित की गईं। शैक्षणिक कैलेंडर और परिणाम समय पर घोषित किए गए। अंतिम मध्य सेमेस्टर परीक्षा में औसत प्रदर्शन के साथ छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का उल्लेख करते हुए, प्रोफेसर राव ने कहा कि अब तक, 85% से अधिक एमबीए छात्रों और 50% बीसीए छात्रों को विप्रो, टीसीएस, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजीज, क्रिप्टो टेक, थॉमस कुक, रिलायंस रिटेल, मैक्स फैशन, बजाज फाइनेंस, फुलर्टन फाइनेंस, अग्रवाल पैकर्स आदि। जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं। अगले एक महीने में कैंपस प्लेसमेंट के लिए और कंपनियों के आने की उम्मीद के साथ, हमें विश्वास है कि हम 100% कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर लेंगे"। प्रोफेसर राव ने कहा कि 'छात्रों को कैरियर परामर्श प्रदान किया जाता है और हमारे संकाय सदस्यों द्वारा लिखित परीक्षा, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार आदि में प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे उद्योग- तैयार हो सकें, छात्रों के कैरियर विकास को विश्वविद्यालय और अभिभावकों का संयुक्त प्रयास बताते हुए उन्होंने अभिभावकों से सहयोग का अनुरोध किया। प्रोफेसर राव ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर अद्यतन करने के लिए, माता-पिता को विश्वविद्यालय की छात्र सूचना प्रणाली तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान की जाएगी। पिछले सेमेस्टर के टॉपर्स के साथ-साथ वाद-विवाद और पाठ्येतर गतिविधियों जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यता पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान करने के पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार, जनवरी 2023 में अपने पिता को खोने वाले बीबीए-एलएलबी (ऑनर्स) के छात्र श्री प्रकाश रंजन को विश्वविद्यालय में उनकी शेष पढ़ाई के लिए 100% शुल्क माफी दी गई थी।

छात्रों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, "हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा अभिभावकों का एक ऑनलाइन संतुष्टि सर्वेक्षण किया गया था। 84% से अधिक अभिभावकों ने विश्वविद्यालय में अपने बच्चों के अनुशासन, पढ़ाई की गुणवत्ता और उनके समग्र विकास पर संतोष व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं को और बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों के सुझावों को लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

कई अभिभावकों ने शिक्षण की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता और छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। एमबीए की छात्रा सुश्री नेहा प्रिया की मां सुश्री सचिता देवी ने अपनी बेटी को प्रति वर्ष 6 लाख रुपये के वेतन के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों से 3 प्लेसमेंट ऑफर मिलने पर अत्यधिक खुशी व्यक्त की। विश्वविद्यालय के सहायक डीन डॉ भगवत बारिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्वेता सिंह ने किया और कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया।

पूर्वांचल सूर्य रांची, शनिवार, 18 फरवरी 2023 झारखंड 2

## इक्फाई विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि: चुनौतियां और अवसर विषयक सम्मेलन आयोजित

विशेष संवाददाता

### प्राकृतिक खेती लागत प्रभावी कृषि पद्धति : डॉ रमेश मित्तल

### सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए मान्यता पुरस्कार

---

राष्ट्रीय सागर विविध रांची 12

## प्राकृतिक खेती रसायन मुक्त कृषि प्रणाली : प्रो.ओआरएस राव

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

**रांची** : नाबार्ड के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि : चुनौतियां और अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों डॉ.रमेश मित्तल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर, बिष्णु परीदा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, जय निगम, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, (रांची क्षेत्रीय कार्यालय) व प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि, झारखंड सरकार शामिल थे।

सम्मेलन के दौरान पूरे भारत के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, छात्रों और नीति निर्माताओं के 40 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा कि प्राकृतिक खेती एक रासायनिक मुक्त कृषि प्रणाली है, जो पशुधन और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित है और वैदिक काल से भारत में प्रचलित थी। मानव हस्तक्षेप के बिना, पत्तियों के पुनर्चक्रण द्वारा मिट्टी के नवीकरण के माध्यम से जंगलों में पेड़ कैसे उगते हैं, इस पर हमारे ऋषियों का शोध प्राकृतिक कृषि प्रणाली का आधार है। 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गाय के मूत्र, गोबर, गुड़ और बेसन से खेत में ही बनने वाले जीवामृत और बीजामृत नामक जैव-जीवों को मिलाकर मिट्टी को समृद्ध बनाया जा सकता है। चूंकि यह सस्ता है, खेती की लागत कम होगी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह रसायन मुक्त पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। प्राकृतिक खेती भी जल संरक्षण और मिट्टी की बहाली के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करती है। इतने सारे लाभों के साथ, प्राकृतिक खेती भारतीय खेती का भविष्य है। प्रोफेसर राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एक मिशन मोड में प्राकृतिक खेती को लागू करने का आह्वान किया है। भारत सरकार और राज्यों की विभिन्न पहलों के कारण, 2022-23 के दौरान, 15 राज्यों में, जिसमें झारखंड भी शामिल है, 10 लाख हेक्टेयर से अधिक प्राकृतिक खेती के तहत कवर किया गया है।

---

میں فٹ بال، ہاکی، ٹیبل ٹینس اور والی بال کے کھلاڑی دارالحکومت آنے والے کو 5 ہزار روپے کی انعامی رقم دی جائے گی۔

## قدرتی کاشتکاری کیمیکل فری فارمنگ سسٹم: پروفیسر راؤ

### ICFAI یونیورسٹی میں 'قدرتی کاشتکاری کے ذریعے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ چیلنجز اور مواقع موضوع پر کانفرنس کا انعقاد

**عوامی نیوز ، نمائندہ**

رانچی: ICFAI یونیورسٹی، جھارکھنڈ میں NABARD کے تعاون سے "قدرتی کاشتکاری کے ذریعے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ، چیلنجز اور مواقع" پر دو روزہ قومی کانفرنس کا انعقاد کیا گیا۔ افتتاحی سیشن میں موجود خصوصی مہمانوں میں ڈاکٹر رمیش متل، ڈائریکٹر، نیشنل ایگریکلچرل جے پور، بشنو فریدا، چیف آپریٹنگ آفیسر، جھارکھنڈ اسٹیٹ لائیولی ہڈ پروموشن سوسائٹی، جے نگم، ڈپٹی جنرل منیجر، نابارڈ، (رانچی ریجنل آفس) اور دیگر موجود تھے۔ پردیپ ہزاری سکریٹری زراعت، حکومت جھارکھنڈ شامل تھے۔ کانفرنس کے دوران ہندوستان بھر سے سائنسدانوں، ماہر تعلیم طلباء اور پالیسی سازوں کے 40 سے زیادہ تحقیقی مقالے پیش کیے گئے۔ افتتاحی سیشن کے دوران شرکاء کا خیر مقدم کرتے ہوئے یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر او آر ایس راؤ نے کہا کہ قدرتی کھیتی ایک کیمیکل سے پاک کاشتکاری کا نظام ہے۔ جو مویشیوں اور مقامی طور پر دستیاب وسائل پر مبنی ہے اور ویدک زمانے سے ہندوستان میں رائج ہے۔ تحقیق اس بات پر کہ درخت کیسے جنگلوں میں مٹی کی تجدید کے ذریعے پتوں کی ری سائیکلنگ کے ذریعے، انسانی مداخلت کے بغیر، قدرتی کاشتکاری کے نظام کی بنیاد ہے۔ 'موجودہ تناظر میں، جیوامرت اور بیجامرت نامی حیاتیاتی جانداروں کو ملا کر مٹی کو افزودہ کیا جا سکتا ہے۔ جو گائے کے پیشاب، گوبر، گڑ اور چنے کے آٹے سے کھیت میں بنائے جاتے ہیں۔ چونکہ یہ سستا ہے اس لیے کاشت کی لاگت بھی کم ہوگی۔ جس سے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ ہوگا۔ یہ صارفین کے لیے فائدہ مند ہے۔ کیونکہ یہ کیمیکل سے پاک غذائیت سے بھرپور کھانا فراہم کرتا ہے۔ قدرتی کاشتکاری پانی کے تحفظ اور مٹی کی بحالی کے ذریعے بھی ماحول کی حفاظت کرتی ہے۔ بہت سے فوائد کے ساتھ، قدرتی کاشتکاری ہندوستانی کاشتکاری کا مستقبل ہے۔ پروفیسر راؤ نے کہا کہ وزیر اعظم نریندر مودی نے 75ویں یوم آزادی کی تقریبات کے دوران قدرتی کھیتی کو مشن موڈ میں نافذ کرنے پر زور دیا ہے۔ حکومت ہند اور ریاستوں کے مختلف اقدامات کی وجہ سے، 2022-23 کے دوران، جھارکھنڈ سمیت 15 ریاستوں میں 10 لاکھ ہیکٹر سے زیادہ قدرتی کھیتی کا احاطہ کیا گیا ہے۔

---

राष्ट्रीय नवीन मेल

## इक्फाई विवि. में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**

नाबार्ड के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में 'प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धिः चुनौतियां और अवसरइ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों डॉ. रमेश मित्तल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर, श्री बिष्णु परीदा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, श्री जय निगम, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय शामिल थे। और श्री प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि, झारखंड सरकार। सम्मेलन के दौरान पूरे भारत के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, छात्रों और नीति निमार्ताओं के 40

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, प्राकृतिक खेती एक रासायनिक मुक्त कृषि प्रणाली है, जो पशुधन और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित है और वैदिक काल से भारत में प्रचलित थी। मानव हस्तक्षेप के बिना, पत्तियों के पुनर्चक्रण द्वारा मिट्टी के नवीकरण के माध्यम से जंगलों में पेड़ कैसे उगते हैं, इस पर हमारे ऋषियों का शोध प्राकृतिक कृषि प्रणाली का आधार है। 'वर्तमान परिपेक्ष्य में गाय के मूत्र, गोबर, गुड़ और बेसन से खेत में ही बनने वाले जीवामृत और बीजामृत नामक जैव-जीवों को मिलाकर मिट्टी को समृद्ध बनाया जा सकता है। चूंकि यह सस्ता है, खेती की लागत कम होगी, जिससे किसानों की आय